मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान जयपुर

MALAVIYA NATIONAL INSTITUTE OF TECHNOLOGY JAIPUR

राजभाषा प्रकोष्ठ/Hindi Cell

हिन्दी कार्यशाला का आयोजन

विषय : शासकीय कार्य में नोटिंग एवं ड्राफ्टिंग
आयोजक : राजभाषा प्रकोष्ठ, मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, जयपुर
तिथि : 30 जुलाई 2025
समय : प्रातः 10:30 बजे से सायं 05:00 बजे तक
स्थान : बैठक कक्ष, केन्द्रीय पुस्तकालय, एमएनआईटी जयपुर
मुख्य अतिथि : प्रो. अमर पटनायक, अधिष्ठाता, संकाय कल्याण
मुख्य वक्ता : श्री राजेश कुमार मीणा, सहायक निदेशक, हिंदी शिक्षण योजना, गृह मंत्रालय, जयपुर केंद्र।

राजभाषा हिंदी के प्रयोग को प्रोत्साहित करने और शासकीय कार्यों में उसके प्रभावी उपयोग हेतु कर्मचारियों की दक्षता बढ़ाने के उद्देश्य से **30 जुलाई 2025** को मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान जयपुर के बैठक कक्ष, केन्द्रीय पुस्तकालय में **एक दिवसीय हिन्दी कार्यशाला** का आयोजन किया गया। कार्यशाला विशेष रूप से "नोटिंग एवं ड्राफ्टिंग" की प्रक्रिया पर केंद्रित थी, जो शासन-प्रशासन के दैनिक कार्यों में अत्यंत आवश्यक एवं उपयोगी है।

प्रथम सत्र: उद्घाटन सत्र

कार्यशाला के प्रारंभ में प्रो. **राज कुमार व्यास, समन्वयक, राजभाषा एवं डॉ. ऋषि कुमार तिवारी, हिन्दी अधिकारी(प्रभारी)** द्वारा **मुख्य अतिथि प्रो. अमर पटनायक, अधिष्ठाता, संकाय कल्याण एवं प्रशिक्षक श्री राजेश कुमार मीणा, सहायक निदेशक, हिंदी शिक्षण योजना, गृह मंत्रालय, जयपुर केंद्र** को फूलदान(flower pot) प्रदान कर राजभाषा प्रकोष्ठ की ओर से स्वागत किया गया।

कार्यशाला का उद्घाटन प्रो. अमर पटनायक, अधिष्ठाता, संकाय कल्याण द्वारा किया गया। उन्होंने मुख्य अतिथि के रूप में अपने उद्बोधन में कहा कि शासकीय कार्यों में हिंदी का प्रयोग केवल औपचारिकता नहीं बल्कि कार्यकुशलता और पारदर्शिता को भी बढ़ाता है। उन्होंने यह भी कहा कि संस्थान में हिंदी के प्रचार-प्रसार हेतु इस प्रकार की कार्यशालाओं का नियमित आयोजन किया जाना चाहिए।

कार्यशाला के आयोजन में डॉ. ऋषि तिवारी, हिन्दी अधिकारी एवं प्रो. राज कुमार व्यास, समन्वयक, राजभाषा ने मार्गदर्शन प्रदान किया। दोनों ने हिन्दी के प्रयोग को संस्थान के दैनंदिन कार्यप्रणाली में एकीकृत करने की दिशा में सारगर्भित सुझाव प्रस्तुत किए।

प्रशिक्षण सत्र:

मुख्य वक्ता श्री राजेश कुमार मीणा ने अपने गहन अनुभवों के माध्यम से प्रतिभागियों को शासकीय नोटिंग एवं ड्राफ्टिंग की तकनीकी बारीकियों से अवगत कराया। उन्होंने विषयवस्तु को सरल एवं व्यावहारिक उदाहरणों द्वारा प्रस्तुत किया, जिससे प्रतिभागियों को गूढ़ विषय को समझने में सहायता मिली।

Scanned with OKEN Scanner

(27)

प्रमुख बिंदु जो कार्यशाला में सम्मिलित किए गए:

- नोटिंग एवं ड्राफ्टिंग का अर्थ, महत्व एवं अंतर
- कार्यालयी भाषा की विशेषताएँ
- सामान्य त्रुटियाँ एवं उनके समाधान
- हिंदी में शुद्ध, स्पष्ट, संक्षिप्त तथा प्रभावी अभिव्यक्ति
- फ़ाइल व टिप्पणी लेखन की शैली
- व्यावहारिक अभ्यास एवं समूह गतिविधियाँ

प्रतिभागियों की भागीदारी:

इस कार्यशाला में एमएनआईटी के विभिन्न विभागों एवं अनुभागों से प्रशासनिक, तकनीकी एवं अन्य स्टाफ सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतिभागियों ने कार्यशाला के दौरान अनेक प्रश्न पूछे तथा समूह गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लिया। प्रशिक्षण सत्र में उनके द्वारा प्रस्तुत प्रश्नों और उत्सुकता ने कार्यशाला को अत्यंत संवादात्मक एवं प्रभावशाली बना दिया। प्रतिभागी कार्मिकों का विवरण इस प्रकार है:

	महिला	पुरुष	कुल
अधिकारी	03	04	07
कर्मचारी	02	21	23

(कुल- 30 प्रतिभागी)

इस कार्यशाला के सफल आयोजन में श्री पवन कुमार शर्मा, अधीक्षक, राजभाषा प्रकोष्ठ एवं श्री बीरेंद्र पाण्डेय, वरिष्ठ कार्य सहायक की सक्रिय भूमिका अत्यंत सराहनीय रही। दोनों ने आयोजन की समस्त व्यवस्थाओं को सुचारु रूप से संचालित किया।

समापन सत्र:

कार्यशाला का समापन सायं 05:00 बजे हुआ। समापन सत्र में प्रतिभागियों ने कार्यशाला की उपयोगिता पर सकारात्मक प्रतिक्रिया व्यक्त की। अंत में, राजभाषा प्रकोष्ठ की ओर से **धन्यवाद ज्ञापन** प्रस्तुत किया गया।

सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। राजभाषा प्रकोष्ठ ने भविष्य में भी इसी प्रकार की विषयवस्तु आधारित कार्यशालाओं के आयोजन का आश्वासन दिया।

निष्कर्ष:

यह कार्यशाला राजभाषा हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल थी। प्रतिभागियों को न केवल शासकीय लेखन में दक्षता प्राप्त हुई, बल्कि उनमें राजभाषा के प्रति संवेदनशीलता भी जागृत हुई। एमएनआईटी में इस प्रकार की गतिविधियाँ हिंदी के प्रचार-प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

Scanned with OKEN Scanner

छायाचित्र: